सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 330 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 8 जनवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।

-ओपरा विनफ्रे

बुमराह आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ... 7 | महाराष्ट्र में पल-पल बदलती सियासत... 3 | झूठे मुकदमों में फंसा रही बीजेपी... 2

हाड़ कंपाती ठंड में गरमाई दिल्ली की सियासत

शीशमहल पर राजमहल बना भाजपा के लिए आफत

- सीएम आवास के बाहर धरने पर बैठे संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज
- पुलिस से हुई आप नेताओं की नोकझोंक
- सीएम आवास के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा
- विस चुनाव में अखिलेश व ममता आप के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाड़ कंपाती ठंड के मौसम में दिल्ली की सियासत तेजी से गरमाने लगी है। चुनावों के एलान के बाद से सभी सियासी दल पूरे जोश में आ गए हैं। जहां आप सरकार ने विपक्षी दल भाजपा पर हल्ला बोल दिया है। बीजेपी के सीएम हाउस पर शीशमहल के बयान को लेकर आप ने उसके खिलाफ मोदी के राजमहल का मामला उठाकर घेर लिया है।

आप नेताओं के कड़े तेवर के बाद सीएम आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज दिल्ली सीएम आवास के बाहर पहुंचे। आप नेताओं को सीएम आवास में जाने से पुलिस ने रोक दिया है। भाजपा के शीश महल% आरोपों के बाद कल, संजय सिंह ने भाजपा को मीडिया कर्मियों के साथ सीएम आवास पर जाने की चुनौती दी थी। बता दें दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव आयोग ने कल चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। दिल्ली में 5 फरवरी को एक चरण में चुनाव होगा और नतीजे 8 फरवरी को आएंगे।

ढूंढ़ा जाए, कहां है शराब बार, सोने का शौचालय : सौरभ

दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री आवास सरकारी पैसे से बने हैं तो आज मीडिया के जरिए लोगों को दोनों भवनों के दर्शन करवा दिए जाएं। भाजपा का दावा था कि (दिल्ली के)मुख्यमंत्री आवास पर एक स्वीमिंग पूल है, शराब का बार बना हुआ है, सोने का शौचालय बना हुआ है तो चलिए ढूंढ़ा जाए। केंद्र सरकार और भाजपा को तो खुश होना चाहिए कि हम अपनी पोल खुद खोलने जा रहे हैं। अब भाजपा क्यों घबरा रही है? शायद इसलिए घबरा रही है क्योंकि फिर उन्हें प्रधानमंत्री आवास दिखाना पड़ जाएगा।

भाजपा प्रधानमंत्री का राजमहल दिखाए : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने 2700 करोड़ रुपये में बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलीशान राजमहल को भाजपा को दिखाने की चुनौती दी। संजय सिंह ने भाजपा से मांग की है कि वह पीएम का राजमहल दिखाएं। संजय सिंह ने कहा था कि वे आज मीडिया के साथ पहले मुख्यमंत्री आवास जाएंगे। उसके बाद प्रधानमंत्री का आवास देखने जाएंगे। आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज दिल्ली सीएम आवास के बाहर पहुंचे हैं। सीएम आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आप नेताओं को सीएम आवास में जाने से पुलिस ने रोक दिया है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आप सांसद संजय सिंह की मुख्यमंत्री आवास के बाहर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। मुख्यमंत्री आवास के बाहर पुलिस बैरिकेडिंग लगा दी गई है और भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। आप नेता संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज धरने पर बैठ गए।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर पुलिस बैरिकेडिंग लगा दी गई है और भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

संजय सिंह का आरोप है कि पीएम मोदी के 2,700 करोड़ रुपये में बने राजमहल में 300 करोड़ की कालीन बिछी हुई है, 200 करोड़ का झूमर लगा है और वह 10-10 लाख के पेन, 6,700 जोड़ी जूते व 5,000 सूट का इस्तेमाल करते हैं। हम यह चाहते हैं कि दिल्ली और देश के लोगों को सच्चाई पता पता चले।

सीएम को तीन महीने में दूसरी बार आवास से निकाला : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि तीन महीने में दूसरी बार भाजपा ने आतिशी को फिर से मुख्यमंत्री आवास से निकाल दिया। भाजपा दिल्ली का चुनाव बुरी तरह से हार रही है। इस कारण बौखलाहट में भाजपा नेता इस तरह की गंदी राजनीति पर उतर आए हैं। वहीं, आतिशी ने कहा कि उनको पहली बार घर से निकाला तो उन्होंने दिल्ली की सड़कें ठीक करवाईं, फ्लाईओवर बनवाए, अनेक नए स्कूल बनवाए, मोहल्ला क्लीनिक में रुके हुए टेस्ट-दवाएं शुरू करवाईं। इस बार महिलाओं को 2100 रुपये, बुजुर्गों को मुफ्त इलाज और पुजारियों-ग्रंथियों को 18 हजार रुपये की सम्मान राशि दिलवाई जाएगी।

सपा का वोटर हमेशा के लिए कांग्रेस में शिफ्ट हो जाएगा : संदीप दीक्षित

अखिलेश के आप को सपोर्ट करने के बायन पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने उन्हें अगाह किया है। उन्होंने कहा,अगर वह आम आदमी पार्टी का मंच साझा करेंगे तो दिल्ली में सपा का वोटर हमेशा के लिए कांग्रेस में शिफ्ट हो जाएगा। इसमें हमारा फायदा है, अरविंद केजरीवाल हार रहे हैं, इसमे कोई शक नहीं है। केजरीवाल का अधिकतर वोटर इस समय शीला दीक्षित को याद कर रहा है।

आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मंच भी साझा करेंगे : अखिलेश

इससे पहले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी मंगलवार को आम आदमी पार्टी को समर्थन देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि वह आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मंच भी साझा करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा था कि दिल्ली में वह कांग्रेस का नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी का साथ देंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी को सिर्फ आप ही हरा सकती है।

कांग्रेस ने दिल्ली के लिए लॉन्च की जीवन रक्षा योजना

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने आज अपनी दूसरी गारंटी लॉन्च कर दी है। इस गारंटी के तहत हर दिल्लीवालों को 25 लाख का बीमा मिलेगा। कांग्रेस ने दिल्ली में प्यारी दीदी के बाद जीवन रक्षा योजना का एलान किया है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य बीमा योजना की गारंटी देते हुए कहा कि अगर दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनी तो दिल्ली के हर नागरिक को 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। इससे पहले कांग्रेस ने दिल्ली की महिलाओं के लिए 2500 रुपये हर माह देने का वादा किया था।

झूठे मुकदमों में फंसा रही बीजेपी सरकार : अखिलेश

बोले- संभल में जारी है अन्याय, सपा सरकार बनने पर असली दोषियों को दिलाएंगे सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एकबार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि संभल में लोगों के साथ अभी भी बड़े पैमाने पर अन्याय हो रहा है। लोगों पर झूठे मुकदमे लगाए जा रहे है। जिलाधिकारी व पुलिस प्रशासन असांविधानिक काम कर रहे हैं। सपा की सरकार बनने पर संभल की घटना की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को सजा दिलाएंगे।

नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडेय ने मंगलवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संभल से संबंधित अपनी रिपोर्ट को रखा। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि जब देश में पूजास्थल अधिनियम लागू है। तब इतनी जल्दबाजी में शाही जामा मस्जिद के सर्वे की क्या जरूरत थी। भाजपा दरारवादी पार्टी है।

उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी के नेता पीड़ितों से जेल में मिलने गए तो वहां जेलर के खिलाफ जातीय भेदभाव करके कार्रवाई की गई। अखिलेश यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार को

लेकर भाजपा के लखनऊ वाले दिल्ली पर और दिल्ली वाले लखनऊ पर आरोप लगवा रहे हैं। भ्रष्टाचार और उपचुनाव में हुई वोटों की लूट छिपाने के लिए सरकार संभल जैसी घटनाएं करा रही है। ट्रांसफर व पोस्टिंग से लेकर हर पद के रेट तय हैं। प्रधानमंत्री यूपी के 40 लाख करोड़ के निवेश अनुबंधों को भूल गए हैं। अब दूसरे प्रदेशों में निवेश की अपील कर रहे हैं।

'गौकशी के खिलाफ मुख्यमंत्री आवास में घुसें भाजपा विधायक'

अखिलेश यादव ने कहा, प्रतिदिन 50 हजार गायें कटने संबंधी बयान देने वाले विधायक से कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री भाजपा के सदस्य नहीं है। इसलिए उन्हें गौकशी के खिलाफ मुख्यमंत्री आवास में घुस जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगरा में एएसआई संरक्षित बिल्डिंग गिराने वाला ठेकेदार राजधानी में ही एक राजनेता के यहां छिपा हुआ है।

कई विभागों में हो रहे बड़े घोटाले

अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे में भ्रष्टाचार का गोरखधंधा चल रहा है। वर्ष 2024 में जिस 91 किलोमीटर सड़क की लागत छह हजार करोड़ रुपये थी, अब उसकी लागत सात हजार करोड़ से ज्यादा की हो गई है। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर अखिलेश ने कहा कि कई अन्य विभागों में इससे भी बड़े घोटाले हो रहे हैं।

भाजपा-सपा को लगाना होगा एड़ी-चोटी का जोर

मल्कीपुर सीट के लिए उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। भाजपा को यहां हिसाब बराबर करने की चुनौती है तो सपा को सीट बचाने के लिए पूरी ताकत लगानी होगी। अब बाजी किसके हाथ लगेगी, यह तो आठ फरवरी को ही पता चल सकेगा। जनवरी 2024 में राममंदिर के उद्घाटन के बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा फैजाबाद (अयोध्या) सीट हार गई। सपा ने इसे धर्म निरपेक्षता की जीत बताते हुए खूब प्रचारित किया। लोकसभा में भी यहां से जीते सपा सांसद अवधेश प्रसाद को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने साथ ही बैठने की व्यवस्था की। मिल्कीपुर सीट अवधेश प्रसाद के सांसद चुने जाने के कारण ही रिक्त हुई है। हाल ही में यूपी की नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा सात सीटें जीत गई। सपा के हिस्से दो सीटें ही आईं। अब मिल्कीपुर के उपचुनाव में सपा और भाजपा, दोनों ही दल अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। भाजपा नेतृत्व की कोशिश रहेगी कि इस सीट को जीतकर अयोध्या में भाजपा की मजबूत स्थिति का संदेश पूरे देश-दुनिया को दिया जाए। वहीं, सपा भी इसे पुनः जीतने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। अखिलेश यादव चाहते हैं कि अधिक से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीडिया के लोग यहां आएं। अखिलेश ने पिछले उपचुनाव में भारी गड़बड़ियों का आरोप लगाया था। उनका कहना है कि मीडिया के जमावड़े से सरकार प्रशासन की मदद से गड़बड़ियां नहीं कर पाएगी।

छत्तीसगढ़ में पत्रकार मुकेश हत्याकांड पर गरमाई सियासत

» भाजपा व कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। सड़क निर्माण में 120 करोड़ के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड मामले में छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है।

बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। जमकर आरोप – प्रत्यारोप लग रहे हैं। अब इस कड़ी में छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय के मीडिया सलाहकर पंकज झा ने इस मामले में कांग्रेस पर निशाना साधा है। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी इस मामले में जवाब देते हुए उन्हें करारा जवाब दिया है।

भाजपा सरकार संवेदनशील नहीं : भूपेश बघेल

इसके जवाब में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर निशाना साधते हुए लिखा कि बड़े दुखी मन से कहना पड़ रहा है कि स्व. मुकेश चंद्राकर की मृत्यु के बाद भी सरकार ने अब तक उनके परिवार के लिए किसी भी प्रकार की सहायता राशि, नौकरी इत्यादि की घोषणा नहीं की है। यह तो गलत बात है।

सरकार को संवेदनशील होना चाहिए। न ही जनता को यह जवाब मिला है कि ठेकेदार सुरेश चंद्राकर 15 दिन पहले मुख्यमंत्री निवास आया था या नहीं? क्या पिछले 15 दिन के मुख्यमंत्री निवास के सीसीटीव फुटेज और आगंतुक सूची सार्वजनिक किए जाएँगे या नहीं?, यह सब बिंदु एआइटी की जाँच में शामिल होने ही चाहिए।

दिल्ली में अपराधी कांग्रेस नेताओं से मिला था इसका जवाब कौन देगा : पंकज झा

सीएम विष्णुदेव साय के मीडिया सलाहकर पंकज झा ने ट्वीट कर लिखा कि बड़े ही दु:ख मन से कहना पड़ रहा है कि जनता को अभी तक यह जवाब नहीं मिला है कि क्या दिल्ली में अपराधी अपने नेताओं के यहां तो नहीं गया था? प्रश्न यह है कि क्या पिछले माह भर का सीसीटीवी फूटेज सोनिया गांधीजी, के यहां का जारी किया जा सकता है? करना चाहिये ताकि षड्यंत्रों की परत खुले। बड़े ही संतोष की बात है कि अपराधी कांग्रेस नेता सुरेश आज सलाखों के पीछे है और घोषणा अनुसार ही तय समय सीमा में चालान आदि प्रस्तुत करने की कोशिश में एजेंसियां लगी हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सीएम की प्रगति नहीं, दुर्गति यात्रा है : तेजस्वी

बोले- दो-दो डिप्टी सीएम एक भी काम नहीं बता पा रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैमूर। कैमूर पहुंचे बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार में दो-दो डिप्टी सीएम हैं। लेकिन कोई भी उनके द्वारा काम किया गया हो तो बता दें।

तेजस्वी यादव ने कहा, इनके सरकार में एक बहाली भी नहीं निकलती, निकल भी रही है तो उसकी हालत देखी रहे हैं। हमारे आने से पहले सरकार में पेपर लीक जाने के बाद भी पेपर लीक छात्र आंदोलन कर रहे हैं और सरकार लाठीचार्ज कर रही है। स्टेट में यही उनके साथ में अन्याय हो रहा है। बिहार में कोई सरकार नाम की चीज नहीं रह गई है। इसलिए कहना पड़ रहा है कि माननीय मुख्यमंत्री बिहार के मौन हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के नाम पर दो अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। आप कह रहे हैं कि बिहार गरीब राज्य है और दूसरी तरफ आप यात्रा पर चल रहे हैं। यह यात्रा अधिकारियों की लूट की छूट की यात्रा है। यह प्रगति यात्रा नहीं दुर्गति यात्रा है। क्यों नहीं अब भाजपा के लोग बिहार का विशेष राज्य का दर्जा दिला देते हैं। जहां बिहार में पलायन और बेरोजगारी को लेकर जमकर निशाना साधा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कैमूर में अपनी कार्यकर्ता संवाद यात्रा के तहत 2025 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया।

उन्होंने कहा कि हम हर घर को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे। हम वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन बढ़ाकर 1500 रुपये प्रति माह करेंगे। हमने 5 लाख लोगों को रोजगार दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मेरा वादा है, जो राजद के सत्ता में आने पर पूरा किया जाएगा।

एनडीए के मुखिया नीतीश कुमार हैं : संजय जायसवाल

भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार में एनडीए के मुखिया नीतीश कुमार हैं। विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, 15 जनवरी से एनडीए के पांचों घटक दल के प्रदेश अध्यक्ष एक साथ बेतिया से पदयात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। पांचों दलों के कार्यकर्ता अपने प्रदेश अध्यक्ष का उद्धार को सुनेंगे, जिससे विरोधी दल के लोग इतना डरे हुए हैं, जिससे वे सामने से राजनीतिक लड़ने के बजाय साजिश कर रहे हैं। एक सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हर जगह बोल रहे हैं कि वह लालू के साथ नहीं जाएंगे। उसके बाद भी सवाल किया जा रहा। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने हमेशा झूठ और धोखे की राजनीति की है। वह आज भी बिहार की जनता को धोखा देना चाह रहे हैं, जैसा कि वह 1990 से 2005 तक किया।

'डबल इंजन' की सरकार लोगों को दे रही दोहरा झटका : पटनायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने मोहन माझी के नेतृत्व वाली ओडिशा सरकार की आलोचना करते हुए इसे डबल इंजन, डबल ब्लो'' (दोहरा इंजन, दोहरा झटका) प्रशासन करार दिया।

आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के खिलाफ बीजद के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए पटनायक ने भाजपा नीत सरकार पर जनता के भरोसे के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार झूठे विमर्श और वादे करके सत्ता में आई है। भाजपा को बीजद से कम वोट मिले हैं। सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पटनायक ने कहा,''डबल इंजन, डबल झटका। 'डबल इंजन' वाली सरकार लोगों को दो तरफ से मार रही है – मूल्य वृद्धि और जीएसटी। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा नीत केंद्र सरकार ने हर उत्पाद पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगा दिया है। गरीब लोग इसका खामियाजा भुगत रहे हैं और उन्हें पहले से कहीं अधिक जीएसटी देना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में पल-पल बदलती सियासत

देर रही कुछ आहट!

एनसीपी व शिवसेना के दोनों गुटों के एक होने की चर्चा

भाजपा पर वार करने से नहीं चूक रहे राउत

» राज्य में चुनावों के बदला सियासी माहौल

» सामना में देवा भाऊ की तारीफ से सियासी माहौल गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में नई सरकार बने एक महीने ज्यादा हो गए हैं। पर वहां पर अब भी सियासी उठापटक, कयासबाजी चरम पर है। कभी ऐसी खबर आती है कि एनसीपी के दोनों गुट एक होंगे तो कभी शिवसेना व यूबीटी शिवसेना की विलय की अटकलें सियासी गलियारों में उठने लगती हैं। अब ताजा बहस छगन भुजबल व शरद पवार के एक मंच पर साथ आने व यूबीटी शिवसेना के मुखपत्र सामना में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की तारीफ में लिखे गये लेख को लेकर है। ऐसी चर्चा होने लगी है कि चाचा शरद पवार व भतीजे व अजित पवार में सुलह हो सकती है।

इन चर्चाओं को बल अजित पवार की मां के बयान से मिलता है जिसमें उन्होंने परिवार में एकता होने की दुआ की थी। हालांकि शरद पवार व उनकी पुत्री सुप्रिया सुले भी परिवार की एकजुटता चाहती हैं। उधर शिवसेना के कई पुराने नेता भी चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे व एकनाथ शिंदे एक हो जाएं। पर ये सब अटकलें हैं ऐसा होना दूर की कौड़ी हे पर अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र से लेकर देश की सियासत तक बहुत असर होगा । हालांकि इन सब खट्टी-मीठी खबरों के बीच यूबीटी व शरद पवार को मोदी सरकार व भाजपा पर हमला करना जारी है।

एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, उद्धव ठाकरे की पार्टी शिव सेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना ने बधाई हो देवा भाऊ शीर्षक वाले अपने संपादकीय में गढ़चिरौली में एक प्रमुख नेता तारक्का सहित 11 नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की। संपादकीय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास के प्रति प्रतिबद्धता के लिए फड़नवीस की भी सराहना की गई। इसने नए साल के दिन जिले में नई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के फड़नवीस के फैसले का स्वागत किया। संपादकीय में कहा गया है कि गढ़चिरौली को नक्सल जिले से स्टील सिटी में बदलना एक सराहनीय उपलब्धि होगी, अगर विकास खनन टाइकून के हितों के लिए काम करने के बजाय स्थानीय आदिवासी समुदायों को लाभ पहुंचाता है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने को कहा कि उन्होंने सामना के संपादकीय में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की है क्योंकि राज्य सरकार ने गढ़चिरौली जिले में सक्रिय नक्सलियों को आत्मसमर्पण करवाकर सराहनीय काम किया है। राउत ने गढ़चिरौली के पूर्व संरक्षक मंत्री पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अपने एजेंटों को नियुक्त किया और धन इकट्ठा किया जिससे नक्सलवाद बढ़ा। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) इस बात की सराहना करती है कि मुख्यमंत्री ने संरक्षक मंत्री के रूप में गढ़चिरौली का कार्यभार संभाला है। राउत ने कहा कि हमने देवेन्द्र फडणवीस की तारीफ की है क्योंकि सरकार ने अच्छा काम किया है। महाराष्ट्र हमारा राज्य है और गढ़चिरौली जैसी जगह जो नक्सलवाद से प्रभावित है - अगर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और संवैधानिक रास्ता चुना - तो हम उसका स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले के अभिभावक मंत्री ऐसा कर सकते थे लेकिन इसके बजाय, उन्होंने अपने एजेंटों को नियुक्त किया और धन इकट्ठा किया जिससे नक्सलवाद बढ़ गया। उन्होंने यह भी कहा कि हमने देवेंद्र फडणवीस के साथ काम किया है वह संबंध चलता रहता है, लेकिन हम विपक्ष में हैं और हम इसे जारी रखेंगे।

फडणवीस सरकार ने किया नौकरशाही में बड़ा बदलाव

महाराष्ट्र सरकार ने 12 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का तबादला कर दिया, जिनमें मिलिंद म्हैस्कर भी शामिल हैं, जिन्हें वन और राजस्व विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य विभाग में एसीएस रहे म्हैसकर की जगह निपुण विनायक को नियुक्त किया गया है। वेणुगोपाल रेड्डी को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में एसीएस नियुक्त किया गया है. जितेंद्र डूडी की जगह संतोष पाटिल सतारा के नए कलेक्टर हैं, जिन्हें सुहास दिवसे की जगह पुणे कलेक्टर नियुक्त किया गया है। दिवासे पदोन्नत किया गया है, पुणे कलेक्टर थे जब विवादास्पद पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर जिले में कार्यरत थीं। 2023 बैच की खेडकर पर अपना चयन सुनिश्चित करने के लिए धोखाधड़ी करने और गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और विकलांगता कोटा लाभ लेने का आरोप लगाया गया था।

2026 तक नहीं टिक पाएगी मोदी सरकार

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मौजूदा कार्यकाल के पूरा होने से पहले संभावित व्यवधान की भविष्यवाणी करते हुए केंद्र सरकार की स्थिरता पर संदेह जताया है। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने अनुमान लगाया कि सरकार 2026 से आगे नहीं टिक पाएगी। उन्होंने कहा कि मेरे मन में संदेह है कि केंद्र सरकार 2026 के बाद भी जीवित रहेगी। मुझे लगता है कि मोदी अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेंगे, और अगर केंद्र सरकार अस्थिर हो गई, तो इसका असर महाराष्ट्र पर भी पड़ेगा। महाराष्ट्र और देश भर में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के बीच, केंद्र में अस्थिरता की स्थिति में राज्य की भविष्य की राजनीतिक गतिशीलता पर बहस छिड़ गई है। इसके साथ ही राउत ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया कि नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद शिवसेना (उबाठा) के कुछ नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। उन्होंने राजापुर के पूर्व विधायक राजन साल्वी के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने की अटकलों के जवाब में यह बात कही। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन (राजग) ने 543 सदस्यीय सदन में 293 सीटें जीती थीं, जिससे प्रधानमंत्री मोदी के लिए लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का रास्ता साफ हुआ था। हालांकि, भाजपा अकेले बहुमत हासिल करने से काफी दूर रह गई और सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ा। राउत ने दावा करते हुए कहा, ''मुझे संदेह है कि केंद्र सरकार 2026 तक टिक पाएगी। मोदी अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेंगे और जब ऐसा होगा तो न केवल महाराष्ट्र में बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी बदलाव होगा।'' साल्वी के शिवसेना (उबाठा) छोड़ने की अटकलों पर राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेता से बात की है, जिन्होंने कुछ स्थानीय मुद्दों पर निराशा व्यक्त की है।

हर किसी के दिल में शरद पवार : प्रफुल्ल पटेल

एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि वे शरद पवार को अपना भगवान मानते हैं। अगर मैं हनुमान की तरह अपनी छाती चीर दूं, तो आप मेरे सीने में शरद पवार को देखेंगे। शरद पवार हमारी बात सुनेंगे और दोनों एक साथ आएंगे। भले ही हमारे राजनीतिक रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन हमारे मन में उनके लिए सम्मान है और रहेगा। एनसीपी के दोनों गुटों अजित पवार और शरद पवार के कुछ विधायक और नेता दोनों एनसीपी के विलय की भी मांग कर रहे हैं। एनसीपी नेता और मंत्री नरहरि झिरवाल ने कहा कि अजित पवार की मां ने भगवान से प्रार्थना की कि शरद पवार और अजित पवार एक साथ आएं. हम भी यही प्रार्थना करेंगे। मैं दो-तीन दिन में शरद पवार से मिलूंगा और उन्हें बताऊंगा कि आप और अजित दादा को एकजुट होना चाहिए और पार्टी का विलय होना चाहिए। विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद एमवीए में बेचैनी के बीच, अटकलें लगाई जा रही हैं कि नेशनल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के नेता विलय की मांग कर रहे हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मां आशाताई पवार ने भी बुधवार को पंढरपुर में भगवान विट्ठल के दर्शन किए और प्रार्थना की कि पूरा पवार परिवार फिर से एकजुट हो जाए। उन्होंने कहा, भगवान विट्ठल मेरी प्रार्थना सुनेंगे और शरद पवार और अजित पवार एक साथ आएंगे। एनसीपी के दोनों गुटों अजित पवार और शरद पवार के कुछ विधायक और नेता दोनों एनसीपी के विलय की भी मांग कर रहे हैं। एनसीपी नेता और मंत्री नरहरि झिरवाल ने कहा कि अजित पवार की मां ने भगवान से प्रार्थना की कि शरद पवार और अजित पवार एक साथ आएं. हम भी यही प्रार्थना करेंगे। मैं दो-तीन दिन में शरद पवार से मिलूंगा और उन्हें बताऊंगा कि आप और अजित दादा को एकजुट होना चाहिए और पार्टी का विलय होना चाहिए।

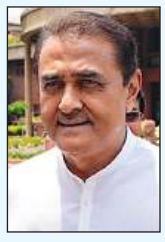

महाराष्ट्र के लिए जो अच्छा करेगा उसकी सराहना करेंगे : राउत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने आगे कहा कि गढ़चिरौली का विकास पूरे महाराष्ट्र के लिए अच्छा होगा। राउत ने कहा कि उन्होंने अच्छा काम करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि मैंने नक्सलियों द्वारा हथियार डालकर भारतीय संविधान को स्वीकार करने के दृश्य देखे हैं, इसलिए यदि कोई ऐसा करता है तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। यदि गढ़चिरौली जैसा जिला विकसित होता है तो यह पूरे राज्य के लिए अच्छा है और यदि यह महाराष्ट्र का इस्पात शहर बन जाता है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं है। यदि देवेन्द्र फडणवीस ऐसी पहल कर रहे हैं तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। हमने पीएम मोदी की भी आलोचना की है, लेकिन जब वह कुछ अच्छा करते हैं तो हम उनकी सराहना करते हैं।

राज्य के महापुरुषों के लिए शरद पवार व मै एकमत : भुजबल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के असंतुष्ट नेता छगन भुजबल शुक्रवार को महान शिक्षाविद् और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में एक मंच पर देखे गए। भुजबल ने इस अवसर पर कहा कि कई लोग उन्हें और शरद पवार को एक मंच पर देखकर आश्चर्यचकित हैं। लेकिन हम महात्मा फुले, शाहू महाराज और बाबासाहेब आंबेडकर जैसी महान हस्तियों के लिए हमेशा एक साथ आते रहेंगे। जुलाई 2023 में अजित पवार, भुजबल और कई अन्य नेताओं के महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी। भुजबल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने की वजह से उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी से नाराज हैं। पंद्रह दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह के बाद भुजबल ने मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर अजित पवार पर निशाना साधा था।

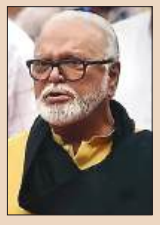

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जंगली जानवरों के पर्यावास पर न हो अतिक्रमण

अभी गर्मी के दिनों यूपी के बहराईच जैसे तराई क्षेत्रों में नरभक्षी भेड़िये का आतंक देखने को मिला था। एक्पर्ट कर कहना है कि जगलों को अंधाधुध कटाई से ये जानवर मानवीय क्षेत्रों में आने लगे हैं। सरकारों को चाहिए कि जानवरों के क्षेत्रों या पर्यावास में अतिक्रमण न होने दे जिससे वह वहां सुरक्षित रहें। हालांकि साल 2023 भारतीय बाघों के लिए दुख भरा रहा है।

यूपी की राजधानी लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में बाघ का कहर बना हुआ है। दिसंबर के महीने में देखे गय बाघ को जनवरी में भी वन विभाग पकड़ नहीं सका। गनीमत ये रही उसने किसी मानव को नुकसान नहीं पहुंचाया पर इसबीच वह ग्रामीणों के पालतू जानवरों पर हमले कर चुका है। अब इस बात की चर्चा हो रही है कि ये जानवर रिहाईश इलाकों में क्यों आ रहे हैं। अभी गर्मी के दिनों यूपी के बहराईच जैसे तराई क्षेत्रों में नरभक्षी भेड़िये का आतंक देखने को मिला था। एक्पर्ट कर कहना है कि जगलों को अंधाधुध कटाई से ये जानवर मानवीय क्षेत्रों में आने लगे हैं। सरकारों को चाहिए कि जानवरों के क्षेत्रों या पर्यावास में अतिक्रमण न होने दे जिससे वह वहां सुरक्षित रहें। हालांकि साल 2023 भारतीय बाघों के लिए दुख भरा रहा है। इस वर्ष सैकड़ों की संख्या में बाघ काल के गाल में समा गये। अभी हाल ही में पीएम मोदी ने मप्र के कूनो में विदेशों से चीते मंगवा कर रखवाए थे पर वह भी भारतीय पारिस्थिकत तंत्र में अपने को समायोजित नहीं करै पाए और आपनी जान दे बैठे।

सरकारों को अब कुछ ऐसा करना होगा ताकि पर्यावरण संतुलन को बचाने के लिए बाघों व चीतों को नहीं अन्य जन्तुओं को भी सहेजने की जरूरत हैं। पर्यावरण मंत्रालय मंत्रालय के मुताबिक 25 दिसंबर, 2023 तक, देश में 177 बाघों की मौत हुई है, न कि 202 की, जैसा कि गलत रिपोर्ट किया गया है। यह मुख्य रूप से उन राज्यों में है जहां बाघों की संख्या काफी अधिक है और उनके आवास उनकी वहन क्षमता पर काम कर रहे हैं। 2023 में भारत में कम से कम 177 बाघों की मौत हुई है, जिनमें से सबसे अधिक 45 बाघों की मौत महाराष्ट्र में दर्ज की गई है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, 2023 में बाघों की 40 प्रतिशत मौतें शावकों और उप-वयस्कों से हुई हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कुछ मीडिया रिपोर्टों में 2023 में 202 बाघों की मौत की उच्च संख्या का उल्लेख करने के बाद डेटा जारी किया। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 45 मौतें दर्ज की गई हैं, इसके बाद मध्य प्रदेश में 40, उत्तराखंड में 20, तमिलनाडु में 15 और केरल में 14 मौतें हुई हैं। इसके अलावा, इनमें से 54 प्रतिशत मौतें बाघ अभयारण्य के बाहर हुई हैं। भारत अब दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघों का घर है। देश में न्यूनतम 3167 बाघ हैं। भारत में जंगली बाघ प्रति वर्ष 6 प्रतिशत की स्वस्थ दर से बढ़ रहे हैं, जो विभिन्न प्राकृतिक कारणों से बाघों की हानि को संतुलित करता है और निवास स्थान की वहन क्षमता के अनुसार बाघों की आबादी को बनाए रखता है। नये वर्ष में सभी को शपथ लेनी चाहिए कि वह जंगल में अतिक्रमण नहीं करेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विदेशी निवेश की संभावनाएं और चुनौतियां

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 5 जनवरी को वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ रहा है, खास तौर से पश्चिम एशिया, जापान, यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के निवेशक भारत को सबसे महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य के तौर पर मान्यता दे रहे हैं। लेकिन नए वर्ष 2025 में एफडीआई बढ़ाने के लिए यह जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाओं को हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करने और कॉर्पोरेट को उनके विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने को आगे बढ़े। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया है। खासतौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है।

यह निवेश 60 सेक्टर, 31 राज्य और केंद्रशासित क्षेत्रों में रहा है। खास बात यह भी है कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के आर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार एक बड़ी उपलब्धि है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रोत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस ने कुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका का 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरा स्थान है। इसके अलावा बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस, ट्रेडिंग, इन्फ्राट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंसी सहित सर्विस सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं।

निस्संदेह, देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक रही है और इस चालू वित्त वर्ष 2024-25 में

भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है। भारत में तेजी से विदेशी निवेश आकर्षित होने के कई कारण हैं। भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। जिन सुधारों से विदेशी निवेश आकर्षित हुए हैं, उनमें मेक इन इंडिया पहल, आर्थिक उदार नीतियां, जीएसटी, प्रतिस्पर्धी श्रमिक लागत और रणनीतिक प्रोत्साहन, कई सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, स्टार्टअप फंडिंग के लिए एंजेल टैक्स खत्म होना, विदेशी कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स में कमी प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढ़ने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट सहित विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 10 वर्षों में करीब 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में जोरदार सुधार करके मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद की मदद से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया गया है। कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक खास मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई नहीं दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है।

अपने ही सांसदों का विश्वास खो बैठे थे ट्रूडो

पुष्परंजन

जस्टिन ट्रूडो के अच्छे दिन जाने वाले हैं। लिबरल पार्टी के नेता और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। उनकी कुर्सी संभालने वाले का नाम फाइनल होने तक वे पद पर बने रहेंगे। बुधवार को राष्ट्रीय कॉकस की बैठक से पहले उन्होंने अपनी बची-खुची इज्जत बचा ली। ट्रूडो एक विफल प्रधानमंत्री साबित हो चुके हैं। उनकी वजह से लिबरल पार्टी को चुनाव में मतदाताओं के बीच उतरना मुश्किल साबित हो रहा है। अब उस चेहरे की तलाश है, जिसे आगे कर आम चुनाव लड़ा जाये। ट्रूडो ने वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक से चर्चा की, कि क्या वह अंतरिम नेता और प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के लिए तैयार होंगे? डोमिनिक लेब्लांक की तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि वो इस जिम्मेदारी को संभालने जा रहे हैं। लिबरल पार्टी को नेतृत्व देने के वास्ते जो संभावित दावेदार हैं, उनमें क्रिस्टिया फ्रीलैंड को भी आगे किया जा रहा है।

पूर्व आवास मंत्री सीन फ्रेजर, विदेश मंत्री मेलानी जोली, नवाचार मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन, परिवहन मंत्री अनीता आनंद, पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी, और पूर्व बी.सी. प्रीमियर क्रिस्टी क्लार्क जैसे नाम भी सामने आने लगे हैं। कनाडा की सत्ता के गलियारे में भूचाल की वजह सर्वेक्षण भी रहे हैं। पिछले एक साल के सर्वेक्षणों से पता चला है, कन्जर्वेटिव्स को सत्तारूढ़ लिबरल्स के मुकाबले दोहरे अंकों की बढ़त हासिल है। गुजरे शुक्रवार को जारी 'एंगस रीड सर्वेक्षण' से पता चलता है, कि जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व में, लिबरल पार्टी को केवल 13 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन प्राप्त होना है, लेकिन यदि कोई नया नेता आता है, तो यह संख्या बदल भी सकती है। उदाहरण के लिए, वित्तमंत्री पद से इस्तीफा दे चुकीं सुश्री फ्रीलैंड यदि सत्ता संभालती हैं, तो 21 प्रतिशत मतदाता लिबरल पार्टी के लिए मतदान करेंगे, जो सर्वे के जरिये खंगाले गए लीड उम्मीदवारों में सबसे अधिक संख्या है। 'एंगस रीड' ने 27 दिसंबर से मंगलवार 31 दिसम्बर, 2024 तक, 2,406 कनाडाई वयस्कों के बीच ऑनलाइन सर्वेक्षण किया, जो एंगस रीड फोरम के सदस्य हैं।

इसके परिणाम के हवाले से क्रिस्टिया फ्रीलैंड को 'फ्रंट रनर' समझा जा रहा है। कनाडा में संसदीय चुनाव 20 अक्टूबर, 2025 को निर्धारित है। लेकिन, ट्रूडो की सत्ता में सहयोगी रही 'एनडीपी' के समर्थन वापस लेने का मतलब है कि चुनाव शायद बहुत पहले हो जाएं। यदि, चुनाव पहले कराना है, तो संसद की अनुमति चाहिए। कई लिबरल सांसद वित्त मंत्री के रूप में क्रिस्टिया फ्रीलैंड के प्रदर्शन से नाखुश थे, और उन्हें बदलने की वकालत कर रहे थे। क्रिस्टिया के इस्तीफे के बाद, बंदूकें ट्रूडो के विरुद्ध तन गईं। पिछले कुछ हफ्तों में क्षेत्रीय कॉकस की बैठकों, और लिबरल सांसदों की प्रतिक्रियाओं को देखकर लगने लगा है, कि प्रधानमंत्री ट्रूडो के पास अब टीम नहीं है। ट्रूडो यह कहने की हालत में नहीं हैं, कि उनकी छवि खराब करने में भारत और चीन ने साजिश रची है। कनाडा की संसद में दो सदन हैं। निचला सदन, 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में 338 सदस्य हैं, जो एकल सीट वाले निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम चार वर्ष के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। दूसरा है सीनेट, जिसके 105 सदस्य प्रधानमंत्री की सलाह पर गवर्नर जनरल द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। संसद में आम तौर पर कई पार्टियों का प्रतिनिधित्व दिखता है, लेकिन कनाडा में दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियां, 'लिबरल' और 'कंज़र्वेटिव' का दबदबा बना रहता है।

ट्रूडो के बुरे दिन अक्टूबर, 2024 से शुरू हुए, जब उन्हीं की पार्टी के दो दर्जन सांसदों ने उनके इस्तीफे की मांग कर दी। क्रिसमस आते-आते पार्टी के अंदर विप्लवी सांसदों की संख्या 70 से ऊपर पहुंच गई। यह संकट और गहराया, जब क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने वित्त मंत्री, और उप प्रधानमंत्री के पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने उस दिन पद छोड़ा, जिस दिन उन्हें अपना आर्थिक और राजकोषीय अपडेट देना था। जीएसटी अवकाश और 250 डॉलर की छूट जैसे खर्च के हथकंडों पर उन्होंने चिंता व्यक्त की, और संभावित ट्रम्प टैरिफ से निपटने में गंभीरता की कमी का हवाला दिया। इस काण्ड के बाद से अटलांटिक, ओंटारियो, और क्यूबेक कॉकस ने संकेत दिया है, कि उनके अधिकांश सदस्य अब ट्रूडो के शीर्ष पर बने रहने का समर्थन नहीं करते हैं।

हाउस ऑफ कॉमन्स में ट्रूडो की पार्टी लिबरल्स के पास 153 सीटें हैं, जिनमें से 131 सीटें इन तीन क्षेत्रों में हैं। कनाडा की पॉलिटिकल कहानी का दूसरा पहलू है, भारतीय मूल के वोटर। कनाडा के सिखों का राजनीतिक दबदबा असाधारण है, क्योंकि वे ओंटारियो और ब्रिटिश कोलंबिया में लगभग दो दर्जन संघीय क्षेत्रों में केंद्रित हैं। राजनीतिक प्रक्रिया में उनकी गहरी और रणनीतिक भागीदारी है। कनाडा की हिंदू आबादी आठ लाख की संख्या वाले सिख समुदाय से थोड़ी बड़ी है, लेकिन यह भौगोलिक रूप से कम केंद्रित, या अपने राजनीतिक विचारों में एकजुट नहीं है। ट्रूडो के हर कदम का लक्ष्य, सिख मतदाताओं को अपने आईने में उतारने का रहा है। उनकी मेहनत तब और बढ़ गई है, जब खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह 'न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी' के नेता बने हैं। शुक्रवार को न्यू डेमोक्रेट्स जगमीत सिंह ने ट्रूडो सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया, इससे ट्रूडो का कार्यकाल और भी संदेहास्पद हो गया। कनाडा के निचले सदन, 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में 18 सिख सांसद हैं। नवीनतम फेरबदल के बाद ट्रूडो के मंत्रिमंडल में स्वयं सहित 39 मंत्री हैं।

बच्चों को इन चीजों से रखें दूर, नहीं होगी एलर्जी

मूंगफली

मूंगफली एक अत्यधिक एलर्जेनिक फूड आइटम है और कुछ बच्चों में एनाफिलेक्सिस सहित गंभीर प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मूंगफली के उत्पाद, जैसे मूंगफली का मक्खन और मूंगफली का तेल भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

ट्री नट्स

ट्री नट्स, जैसे बादाम, काजू और अखरोट, बच्चों के लिए आम एलर्जी का कारण हैं। लक्षणों में त्वचा पर चकत्ते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई शामिल हो सकते हैं।

यह समझना आवश्यक है कि कौन से खाद्य पदार्थ बच्चों में एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

बच्चों में फूड एलर्जी एक महत्वपूर्ण और गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय है, क्योंकि ऐसे पदार्थ हल्के से लेकर जानलेवा तक लक्षण पैदा कर सकते हैं। इन खतरनाक लक्षणों को रोकने में मदद करने के लिए यह समझना आवश्यक है कि कौन से खाद्य पदार्थ बच्चों में एलर्जी पैदा कर सकते हैं। जिससे कि आप इनसे समय रहते सावधनियां बरत सकें। सोया बच्चों में एक और आम एलर्जेन है और त्वचा पर चकत्ते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। सोया प्रोडक्ट्स जैसे टोफू और सोया मिल्क भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं। गेहूं बच्चों में एक आम एलर्जेन है और त्वचा पर चकत्ते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। गेहूं से बने उत्पाद, जैसे ब्रेड और पास्ता भी इनमें एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

मछली

मछली कुछ बच्चों में एलर्जी पैदा कर सकती है, जिससे त्वचा पर चकत्ते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि झींगा और लॉबस्टर जैसे समुद्री भोजन भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं।

गाय का दूध

गाय का दूध बच्चों के लिए सबसे आम फूड एलर्जी में से एक है। लक्षणों में त्वचा पर चकत्ते, पाचन संबंधी समस्याएं और यहां तक कि एनाफिलेक्सिस (एक गंभीर, संभावित रूप से जानलेवा एलर्जी प्रतिक्रिया) शामिल हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पनीर और आइसक्रीम जैसे डेयरी उत्पाद भी एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

अंडे का सेवन

अंडे बच्चों के लिए एक और आम एलर्जेन हैं, खासकर अंडे का सफेद भाग। लक्षणों में त्वचा पर चकत्ते, पाचन संबंधी समस्याएं और सांस लेने में कठिनाई शामिल हो सकते हैं। इन लक्षणों को रोकने और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए बच्चों में शुरुआती खाद्य एलर्जी की पहचान करना आवश्यक है। अगर आपको संदेह है कि आपके बच्चे को फूड एलर्जी हो सकती है, तो उचित परीक्षण और निदान के लिए बाल रोग विशेषज्ञ या एलर्जी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

हंसना मना है

मां अपने बेटे से- उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से- तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

पहला सरदार- मैंने अपनी वाईफ को 12वी पास करवाई, फिर, बी. ए.। फिर एम .ए. और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार- अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार- साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ। तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त- क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, तो वह 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

गधा- यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता - घर छोड़ दे? गधा- नहीं यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दूंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

भिकारी- साहब एक रुपया दे दो। साहब- तुम्हें शरम नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीक मांगते हो, भिखारी- अब तुझसे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलूं क्या?

कहानी | जैसे को तैसा

सीतापुरी गांव में जीर्णधन नाम का एक बनिया रहता था। उसका काम कुछ अच्छा नहीं चल रहा था, इसलिए उसने धन कमाने के लिए विदेश जाने का फैसला किया। उसके पास कुछ ज्यादा पैसे या कोई कीमती वस्तु नहीं थी। सिर्फ उसके पास एक लोहे का तराजू थी। उसने वो तराजू साहूकार को धरोहर के रूप में दे दिया और बदले में कुछ रुपये ले लिए। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि वह विदेश से लौटकर अपना उधार चुका कर तराजू वापस ले लेगा। जब दो साल बाद वह विदेश से लौटा, तो उसने साहूकार से अपना तराजू वापस मांगा। साहूकार बोला कि वो तराजू तो चूहों ने खा लिया। जीर्णधन समझ गया कि साहूकार की नियत खराब हो गई है और वह तराजू वापस करना नहीं चाहता। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि कोई बात नहीं अगर तराजू चूहों ने खा लिया है, तो इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। उसने साहूकार से कहा कि दोस्त मैं नदी में नहाने जा रहा हूं। तुम अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वो भी मेरे साथ नहा आएगा। साहूकार, जीर्णधन के व्यवहार से बहुत खुश था, इसलिए उसने जीर्णधन को सज्जन पुरुष जानकर अपने बेटे को उसके साथ नहाने के लिए नदी पर भेज दिया। जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को नदी से से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बंद कर दिया। उसने गुफा के दरवाजे पर बड़ा-सा पत्थर रख दिया, जिससे साहूकार का बेटा बचकर भाग न पाए। साहूकार के बेटे को गुफा में बंद करके जीर्णधन वापस साहूकार के घर आ गया। उसे अकेला देखकर साहूकार ने पूछा कि मेरा बेटा कहां हैं। जीर्णधन बोला कि माफ करना दोस्त तुम्हारे बेटे को चील उठाकर ले गई है। साहूकार हैरान रह गया और बोला कि ये कैसे हो सकता है? चील इतने बड़े बच्चे को कैसे उठा ले जा सकती है? जीर्णधन बोला जैसे चूहे लोहे के तराजू को खा सकते हैं, वैसे ही चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है। अगर बच्चा चाहिए, तो तराजू लौटा दो। साहूकार को अक्ल आई। उसने जीर्णधन का तराजू वापस कर दिया और जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को आजाद कर दिया।

7 अंतर खोजें

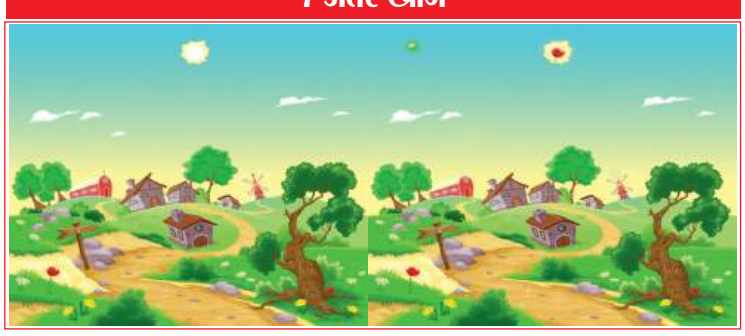

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृषभ

स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

मिथुन

शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है।

सिंह

आज का दिन व्यापार-व्यवसाय में अधिक लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी।

कन्या

पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

तुला

आज आपको व्यापार में अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक

व्यापार ठीक चलेगा। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कुसंगति से बचें। धनहानि हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु

धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

मकर

किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है। नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन पर विचार हो सकता है। व्यापार ठीक चलेगा।

कुम्भ

धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी।

मीन

आज कारोबार-व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूसरों पर भरोसा न करें। आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है।

सलमान खान के शो बिग बॉस 18 से बाहर हुई कशिश कपूर

बिग बॉस 18 सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बिग बॉस 18 अब अपने ग्रैंड फिनाले के करीब पहुंच गया है। शो खत्म होने में बस दो हफ्ते बचे हैं, इस शो से 2025 का पहला निष्कासन हुआ। सात नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स - रजत दलाल, विवियन डीसेना, अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह, चाहत पांडे, श्रुतिका अर्जुन और कशिश कपूर में से कशिश को वीकेंड का वार के रविवार के एपिसोड में बाहर कर दिया गया।

घर से बाहर निकलते समय कशिश ने अपने दो दोस्तों रजत और चाहत को अलविदा कहा। वह 29वें दिन दिग्विजय सिंह राठी के साथ शो में आई थीं। 76वें दिन, दिग्विजय को घरवालों ने शो के अंदर उनके योगदान के आधार पर एक कंटेस्टेंट को वोट देकर बाहर कर दिया।

जबकि दिग्विजय के निष्कासन को प्रशंसकों ने अनुचित करार दिया था, क्योंकि वे वोटिंग ट्रेंड में शीर्ष 5 प्रतियोगियों में से एक थे, दर्शकों ने कशिश के अनुचित निष्कासन के लिए निर्माताओं को भी बुलाया है क्योंकि पिछले सप्ताह के मतदान रुझानों के अनुसार, ईशा सिंह को सबसे कम वोट मिले थे। वोट कभी भी जनता के सामने नहीं आते हैं।

कशिश के निष्कासन पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, ईशा सिंह को बाहर निकाल दिया जाना चाहिए था, जबकि दूसरे ने कहा, यह अनुचित निष्कासन है। कशिश शो में रहने की हकदार थी। प्रशंसकों ने ईशा को उसके स्वार्थी स्वभाव के लिए नापसंद किया है और दावा किया है कि वह अविनाश के साथ अपने नकली रोमांटिक एंगल के कारण घर में है। रविवार के एपिसोड में, सलमान खान ने यह भी घोषणा की कि बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले 19 जनवरी को होगा। फिनाले में आमतौर पर ट्रॉफी और विजेता के खिताब के लिए पाँच से छह लोग प्रतिस्पर्धा करते हैं, और इसलिए अगले दो हफ्तों में तीन से चार और निष्कासन होने की संभावना है।

तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में दिखा काजल अग्रवाल का मां पार्वती अवतार

काजल अग्रवाल की अपकमिंग तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' से उनका फर्स्ट लुक पोस्टर आउट हो चुका है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्टर को शेयर करते हुए उसे अपना ड्रीम रोल बताया। पोस्टर में काजल मां पार्वती के किरदार में नजर आईं। 'कन्नप्पा' के निर्माताओं ने सोमवार को सोशल मीडिया पर फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया और एक्ट्रेस ने भी अपने फैंस को इस लुक से रूबरू कराया।

काजल अग्रवाल ने पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'वाकई एक ड्रीम रोल! 2025 की शुरुआत करने की खुशी है कन्नप्पा, हर हर महादेव। माता पार्वती।' काजल अग्रवाल की पोस्ट पर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बहुत खूबसूरत।'

पोस्टर में एक्ट्रेस देवी पार्वती के रूप में खूबसूरत लग रही हैं। पोस्टर में एक्ट्रेस ने सुनहरे बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनी है। उनके लुक को सुनहरे नेकपीस के साथ मैचिंग इयररिंग्स, चूड़ियों और मांग-टीका के साथ पूरा किया गया है। उनके बाल खुले रखे गए और उनमें गुलाबी रंग का फूल लगा हुआ है।

'कन्नप्पा' के निर्देशक मुकेश कुमार सिंह हैं और निर्माण मोहन बाबू ने 24 फ्रेम्स फैक्ट्री के सहयोग से अपने बैनर एवीए एंटरटेनमेंट के तहत किया है। फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ विष्णु मांचू लीड रोल में दिखाई देंगे, जबकि मोहन बाबू, आर। सरथकुमार, अर्पित रांका, कौशल मंडा, राहुल माधव, देवराज, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, रघु बाबू, प्रीति मुखुंधन, मधु, मोहनलाल, प्रभास और अक्षय कुमार भी खास भूमिका में दिखेंगे। फिल्म में अक्षय कुमार कैमियो किरदार में नजर आएंगे।

बॉलीवुड **मन की बात**

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड न जीत पाने के बाद भी खुश हैं पायल कपाड़िया

पायल कापाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट 2025 के गोल्डन ग्लोब्स में कोई पुरस्कार नहीं जीत पाई। इसे दो श्रेणियों में नामांकित किया गया था। इस समारोह के बाद हाल ही में पायल ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। लॉस एंजिल्स में सोमवार (भारतीय समयानुसार) को आयोजित इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में पायल कापाड़िया की फिल्म बेस्ट नॉन-इंग्लिश लैंग्वेज मोशन पिक्चर और बेस्ट डायरेक्टर की श्रेणियों में अवॉर्ड की दौड़ में थी। हालांकि, इन दोनों श्रेणियों में क्रमशः एमिलिया पेरेज और ब्रैडी कॉर्बेट की द ब्रूटलिस्ट ने बाजी मारी। समारोह में शामिल होने के बाद पायल ने ऑल वी इमेजिन एज लाइट के निर्माताओं थॉमस हाकिम, जूलियन ग्राफ और रणबीर दास के साथ एक तस्वीर साझा की। इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमने कुछ नहीं जीता, लेकिन बहुत मजा आया। पायल ने अपने शानदार आउटफिट के लिए अपने डिजाइनर और स्टाइलिस्ट को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, इस अद्भुत आउटफिट के लिए पायल खंडवाला और स्टाइलिस्ट इन्द्राक्षी पट्टनायक को भी विशेष धन्यवाद। गोल्डन ग्लोब्स के लिए कापाड़िया ने काले रंग का जंपसूट पहना था, जो मैट लाइटवेट सिल्क से बना था। ऑल वी इमेजिन एज लाइट भले ही गोल्डन ग्लोब्स नहीं जीत सकी, लेकिन यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बन चुकी है। पिछले साल इसे कान फिल्म महोत्सव में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार प्राप्त हुआ था। मुम्बई में स्थित इस कहानी में दो मलयाली नर्सों, प्रभा और अनु की जिंदगी को दिखाया गया है। फिल्म में प्रभा की लाइफ में तब मोड़ आता है जब उसका अलग हो चुका पति उसे एक हैरान करने वाली उपहार भेजता है। वहीं, फिल्म में अनु अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए एक निजी जगह की तलाश में नजर आती है। कनी कुसरुति, दिव्या प्रभा, छाया कदम और हृदु हारून ने फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

मनोकामना पूरी करने वाले वानर देवता, यहां गांव वाले बंदर को पूजते हैं!

धर्माराम गांव में वानर देवता की पूजा एक अनोखी परंपरा है। यह गांव, जो निर्मल जिले के लक्ष्मणचंदा मंडल में स्थित है, में ग्रामीणों द्वारा बंदर को भगवान के रूप में पूजा जाता है। यहाँ के लोग मानते हैं कि वानर देवता उनकी इच्छाओं को पूरा करते हैं, और हर साल भक्त इस स्थान पर आकर पूजा करते हैं।

वानर देवता का मंदिर धर्माराम में दशकों पुराना है। इस मंदिर की स्थापना 1978 में हुई थी। ग्रामीणों का कहना है कि पहले गांव में लोग कहानियाँ और पौराणिक कथाएँ सुनकर मनोरंजन करते थे। एक दिन जंगल से एक बंदर गांव में आया और इन कहानियों को ध्यान से सुनने लगा। धीरे-धीरे वह बंदर गांव में रहने लगा और अपनी हरकतों से ग्रामीणों को परेशान करने लगा। ग्रामीणों ने बंदर को गांव से बाहर भगाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अंत में, सभी ने मिलकर उसे मार डाला और गांव के बाहर दफना दिया। हालांकि, कुछ समय बाद, जब गांव वाले बंदर की कब्र पर गए, तो उन्होंने उसे बाहर निकाला और उसकी पूजा करना शुरू कर दिया। यह सब देखकर गांव वालों ने तय किया कि अब इस बंदर को भगवान के रूप में पूजा जाएगा। इसके बाद, गांव वालों ने चंदा इकट्ठा किया और वहां एक मंदिर बनवाया। इस मंदिर में बंदर की मूर्ति के साथ-साथ शिव लिंगम और नंदी की मूर्तियाँ भी स्थापित की गईं। जैसे-जैसे भक्तों की संख्या बढ़ी, वहां स्नानघर और कमरे भी बनाए गए। अब यह मंदिर एक प्रमुख धार्मिक स्थल बन चुका है। हर साल दिसंबर महीने में इस मंदिर में मेला लगता है। इस मेले के दौरान वानर देवता का अभिषेक किया जाता है और रथोत्सव का आयोजन भी होता है। आदिलाबाद, निर्मल, मंचिरयाला, करीमनगर जिलों और पड़ोसी महाराष्ट्र से भी भक्त इस उत्सव में शामिल होने के लिए आते हैं। यह एक ऐसा स्थान बन चुका है जहाँ भक्त न केवल त्योहारों के दौरान, बल्कि हर समय वानर देवता की पूजा करने के लिए आते हैं।

अजब-गजब **इस नदी में नहाने से चर्म रोग से मिलती है मुक्ति**

इसे कहा जाता है चमत्कारी नदी, जीरो डिग्री तापमान में भी खौलता है पानी

झारखंड को प्रकृति ने बड़ी खूबसूरती से नवाजा है। यहां कई ऐसी जगहें हैं जो पहली नजर में आपको अचंभित कर सकती हैं। ऐसी ही एक जगह है लातेहार, जो पर्यटन के लिहाज से काफी पॉपुलर है। आइए जानते हैं क्या है इस जगह में खास।

लातेहार जिले के सदर प्रखंड की हेठपोचरा पंचायत के जारम गांव में स्थित ततहा झरना है। जहां की गर्म जल स्रोत है। जिसकी दूरी पलामू जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर है।बता दें कि इस नदी के 50 मीटर में पानी हमेशा गर्म रहता है। जहां कहीं कहीं पानी बॉयलिंग तापमान तक रहता है।

स्थानीय निवासी गणेश कुमार ने बताया कि यहां नए साल में दूर दूर से लोग पिकनिक मनाने आते है। वहीं यहां के पानी में स्नान करने से चर्म रोग की समस्या दूर होती है। इस पर्यटक स्थल की ख्याति स्थानीय स्तर पर बेहद अधिक है। कड़ाके की ठंड में भी लोग यहां स्नान करते हैं। बता दें कि हरही पहाड़ी के नीचे ततहा नदी है। जहां अनेकों ऐसे श्रोत हैं। जहां का पानी हमेशा गर्म रहता है। मकर संक्रांति के अवसर पर यहां मेले का आयोजन होता है। जहां कड़ाके की ठंड में लोग स्नान करने का आनंद लेते हैं। लोग बताते हैं कि यहां के पानी में औषधि गुण होते है। जिस कारण यहां स्नान करने से चर्म रोग की समस्या दूर होती है। ततहा नदी अगर आप आना चाहते हैं तो लातेहार जिले के बरवाडीह स्टेशन से उतर कर पहुंच सकते हैं। यहां आप निजी वाहन से भी आ सकते हैं। पलामू जिला मुख्यालय से अगर आप यहां आना चाहते है तो मेदिनीनगर शहर से एनएच39 से दुनियाखांड के रास्ते बरवाडीह होकर पहुंच सकते हैं। जहां बरवाडीह से मंडल डैम के रास्ते में 27 किलोमीटर दूर झरना गांव से दाई ओर 3 किलोमीटर दूरी तय कर पहुंच सकते हैं।

मध्य प्रदेश में जय संविधान यात्रा समापन से पहले घमासान

» राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाराज, पार्टी की बढ़ी चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस पार्टी जय भीम, जय बापू, जय संविधान कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसका समापन मध्य प्रदेश के महू में 26 जनवरी को किया जाना है इसे लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस तैयारियों में जुटी है। इसी बीच पॉलीटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में बड़े नेताओं ने नाराजगी जताई है। प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने कहा है कि उन्हें पार्टी में तवज्जो नहीं मिती है। नेताओं की नारजगी ने पार्टी की चिंता बढ़ा दी है।

अब देखना यह होगा कि 10 जनवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में ये बड़े नेता पहुंचेंगे या नहीं। इस बैठक में प्रदेश की सभी बड़े नेताओं को आमंत्रित किया गया है। महू में होने वाले कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी और सभी को जिम्मेदारियां दी जाएंगी। कमलनाथ ने कहा कि मुझसे कुछ पूछा नहीं जाता। मीटिंग की सूचना भी नहीं दी जाती। कमलनाथ की इस बात का पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने भी समर्थन किया। दरअसल महू में जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली का आयोजन करने जा रही है। इसी की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम को मध्यप्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की वर्चुअल मीटिंग हुई। जिसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत कमेटी के तमाम सदस्य जुड़े थे। इस बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने अपनी भढ़ास निकाली है।

कमलनाथ व दिग्विजय बोले- हमसे कुछ नहीं पूछा जाता

अखबारों से पता चला कांग्रेस की बैठक थी : कमलनाथ

वर्चुअल मीटिंग में कमलनाथ ने कहा कि आजकल ऐसा चल रहा है कि नियुक्तियों में मुझसे पूछा तक नहीं जाता। भले किसी के कहने से किसी की नियुक्ति हो न हो, लेकिन सीनियर्स से चर्चा करनी चाहिए। बैठकों की मुझे कोई सूचना नहीं दी जाती। अखबारों से पता चलता है कि कांग्रेस की बैठक थी। कमलनाथ की बात पर दिग्विजय सिंह ने भी कहा कि मैं भी कमलनाथ जी की बात से सहमत हूं। बिना एजेंडे के बैठकें बुला ली जाती हैं। वॉट्सऐप पर भेजे एजेंडा पर उन्होंने कहा कि अध्यक्ष जी 6 बजकर 31 मिनट पर एजेंडा मिला है। अब मैं मोबाइल से मीटिंग में जुड़ा हूं तो एजेंडा कैसे देखूं। मीनाक्षी नटराजन ने भी कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की बात का समर्थन किया।

सबकी राय से ही फैसले लिए जा रहे : पटवारी

कांग्रेस की वरिष्ठ नेताओं की बात पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सबकी राय से ही फैसले लिए जा रहे हैं। कमलनाथ जी से मैं खुद अलग से बात कर लूंगा। प्रवक्ताओं की नियुक्तियों का गलत पत्र जारी हो गया था, उसे तुरंत निरस्त भी कर दिया।

मामूली विवाद में फायरिंग, दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज

» सियासत भी गरमाई, रंजिश के आरोप में प्रधान पति नामजद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बेलवारे गांव में बच्चों के विवाद ने तूल पकड़ लिया, मामला इस कदर आगे बढ़ा कि फायरिंग की नौबत आ गयी थी। जानकारी के अनुसार प्रेमकुमार वर्मा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि उसके बच्चे गांव के की प्राथमिक स्कूल में गेंद खेल रहे रहे थे उसी समय उसी गांव के सचिन्द्रनाथ वर्मा पुत्र राम चरित्र वर्मा की बेटियां भी आ गयीं और बच्चों से कहासुनी हो गयी। जिसके बाद प्रेम कुमार विपक्षी राम चरित्र के घर मामले की शिकायत करने गए उसी समय वहां पर अरुण वर्मा पुत्र राज बहादुर को भी राम चरित्र ने बुला लिया।

आरोप है कि अरुण ने आते ही गलियां देते हुए और जान से मारने की धमकी देते हुए असलहे से फायर कर दिया और धमकी देने लगे। वहीं दूसरे पक्ष से सचिन्द्रनाथ वर्मा पुत्र राम चरित्र वर्मा ने भी प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि बीती शनिवार की शाम उसकी दो बेटियां पशुओं के लिए चारा लेकर आ रही थीं उसी समय रास्ते में प्रेम कुमार वर्मा उर्फ मोनू ने उनकर फब्तियां कसी, जिसकी शिकायत पर पीड़ित ने प्रेम को समझाते हुए भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी, इसी बात से नाराज होकर रविवार शाम प्रेम ने दुकान से घर जाते समय पीड़ित सचिन्द्रनाथ को अपने साथियों जितेंद्र वर्मा, धीरज वर्मा, एवं अपने भाई सोनू के साथ मिलकर पीटने लगा उसी समय विवाद होता देख शहर से घर जा रहे अरुण वर्मा पुत्र राज बहादुर भी रुककर विवाद देखने लगे, इसी बीच प्रधान पति जितेंद्र वर्मा ने पांच-छह लोगों के साथ मिलकर ललकार कर गाली देते हुए अरुण वर्मा पर भी हमला बोल दिया, जैसे तैसे अरुण जान बचाकर भागा। थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त हुई है, मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मास्टर्स एथलेटिक्स में अनिल ने दिखाया दम

» दो स्वर्ण सहित चार मेडल किए अपने नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चार से पांच जनवरी 2025 तक 33वीं उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन उदय प्रताप कॉलेज कैम्पस वाराणसी में संपन्न हुआ, उत्तर प्रदेश के 70 जिलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सवारी एवं माल डिब्बा कारखाना आलमबाग लखनऊ उत्तर रेलवे में कार्यरत अनिल कुमार ने इस प्रतियोगिता में अलग-अलग स्पर्धा 110 मीटर हाई हर्डल रेस में कांस्य पदक , लॉन्ग जम्प में कांस्य पदक, बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक तथा रिले रेस में स्वर्ण पदक सहित चार पदक अपने नाम किए।

अनिल मौर्य का चयन 45वीं नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप बैंगलुरु के लिए हुआ है। अनिल मौर्य इससे पहले कई अनतर्राष्ट्रीय पदक अपने नाम कर चुके हैं। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य रविन्द्र जायसवाल जी (स्टाम्प , न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन मंत्री उत्तर प्रदेश) द्वारा किया गया तथा समापन समारोह मुख्य अतिथि रहे माननीय अशोक तिवारी जी महापौर वाराणसी द्वारा किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के कई ओलिम्पियन खिलाड़ी मौजूद रहे।

आंदोलन को लेकर किसान मोर्चा ने दी केंद्र को चेतावनी कुछ हुआ तो स्थिति नहीं संभाल पाएंगे

» जगजीत डल्लेवाल की हालत नाजुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला (पंजाब)। खनौरी बॉर्डर पर 44 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती स्थिति को लेकर किसान मोर्चा के सब्र का बांध टूटने लगा है। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी। कोहाड़ ने कहा कि अगर डल्लेवाल को कुछ हो गया तो केंद्र स्थिति को संभाल नहीं पाएगा। बेहतर है कि समय रहते केंद्र सरकार किसानों की बातों को गंभीरता से सुने और उनकी मांगों को पूरा करे। वहीं डल्लेवाल की हालत नाजुक बनी हुई है।

मीडिया बुलेटिन जारी करते हुए डॉ. अवतार सिंह ने बताया कि डल्लेवाल बात तक नहीं कर पा रहे हैं। ब्लड प्रेशर ऊपर-नीचे हो रहा है। मंगलवार को कमजोरी की वजह से वो करीब एक घंटा तक बेहोश रहे। डॉक्टरों ने उन्हें पानी पिलाया, तब जाकर कुछ राहत मिली। बीती रात भी उनका बीपी 77/45 और पल्स रेट 38 से भी नीचे गिर गया था। रात ढाई बजे जाकर बीपी कुछ स्थिर हुआ। उन्होंने बताया कि अगर यही हालात रहे तो उन्हें कभी भी कुछ भी हो सकता है। मंगलवार को सरकारी राजिंदरा अस्पताल के डाक्टरों की टीम भी डल्लेवाल के चेकअप के लिए बॉर्डर पहुंची।

26 जनवरी को ट्रैक्टर मार्च

किसान नेताओं ने कहा कि 10 जनवरी को पूरे देश में ग्रामीण स्तर पर मोदी सरकार के पुतले जलाए जाएंगे, ताकि केंद्र सरकार को पता लग जाए कि गांवों के लोग एमएसपी गारंटी कानून के मुद्दे पर डल्लेवाल के संघर्ष के साथ खड़े हैं। 13 जनवरी को नई खेती नीति के ड्राफ्ट की कॉपियां देशभर में जलाई जाएंगी। 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि संघर्ष की अगली रणनीति की घोषणा दोनों मोर्चों से जल्द ही की जाएगी।

बुमराह आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ नामित

» ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चटकाए 32 विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दिसंबर महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्टार गेंदबाज ने घातक गेंदबाजी की थी। 32 विकेटों के साथ वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बने। अब उन्हें इसका इनाम मिला है। बुमराह फिलहाल पीठ की ऐंठन की समस्या से जूझ रहे हैं।

वह रविवार को खत्म हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। उन्होंने पांच मैचों की इस सीरीज में 150 से ज्यादा ओवर फेंके। इस पुरस्कार की दौड़ में बुमराह के अलावा ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन भी शामिल हैं। तेज गेंदबाज कमिंस ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट में 17.64 की औसत से 17 विकेट हासिल किए। कमिंस ने महीने का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एडीडले में 57 रन पर पांच विकेट चटकाकर किया। इसके अलावा कमिंस ने मेलबर्न में 49 और 41 रन की उपयोगी पारियां भी खेलीं। वहीं, पेटरसन ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो टेस्ट में 16.92 के औसत से 13 विकेट चटकाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई जहां उसकी भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से होगी।

देवजीत सैकिया होंगे बीसीसीआई के नए सचिव

नई दिल्ली। देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को बीसीसीआई की विशेष आम बैठक में 12 जनवरी को निर्विरोध क्रमशः बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष चुना जाएगा। दरअसल, चुनाव लड़ने वालों की अंतिम सूची में केवल यही दो उम्मीदवार हैं। चुनाव में हिस्सा लेने वाले उम्मीदवारों की सूची बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी और भारत के पूर्व सीईसी अचल कुमार जोती ने मंगलवार को तैयार की। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख पिछले सप्ताह समाप्त हो गई जबकि नामांकन वापस लेने की समय सीमा मंगलवार दोपहर दो बजे समाप्त हो गई। सैकिया एक दिसंबर को जय शाह के आईसीसी के चेयरमैन के रूप में पदभार संभालने के बाद से बीसीसीआई के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। यह पद आशीष शेलार द्वारा खाली किया गया था जिन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी।

नाभा जेल ब्रेक मामला फिर गरमाया, यूपी एसटीएफ चीफ अमिताभ यश पर उठी उंगली

आजाद अधिकार सेना ने मुलजिम को छोड़ने के आरोपों की दोबारा जांच की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नाभा जेल ब्रेक कांड, जिसने पंजाब में भूचाल ला दिया था। पुलिस की वर्दी में घुसे बदमाश जेल से छह खूंखार गैंगस्टर छुड़वा ले गए थे। एकबार उसकी चर्चा फिर से होने लगी है। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने पंजाब के नाभा जेल ब्रेक कांड के अभियुक्त गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी घनश्यामपुरिया को सितंबर 2017 में यूपी की पुलिस एजेंसी द्वारा शाहजहांपुर में पकड़ कर पैसे लेकर छोड़े जाने के आरोपों की दोबारा जांच हेतु गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है।

आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष ने कहा है कि सितंबर 2017 में घनश्यामपुरिया को आईजी स्तर के एक अधिकारी द्वारा एक करोड़ रुपए लेकर छोड़े जाने के आरोप पंजाब पुलिस के माध्यम से आए थे, इस पर उत्तर प्रदेश सरकार ने तत्कालीन एडीजी लॉ ऑर्डर आनंद कुमार से जांच कराई थी, जिन्होंने मामले में आईजी एसटीएफ अमिताभ यश को क्लीन चिट दिया था।

अमिताभ यश को मिली थी क्लीन चिट

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि यह जांच रिपोर्ट कभी सार्वजनिक नहीं की गई किंतु अमिताभ यश द्वारा पत्रकार मनोज राजन त्रिपाठी के खिलाफ लिखवाए गए मानहानि मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में इस जांच से संबंधित कई तथ्य अंकित है। इसके अनुसार इस मामले में पंजाब पुलिस के पास सबूत के तौर पर कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग भी थे। स्पेशल टास्क फोर्स के आईजी अमिताभ यश को प्रिंसिपल सेक्रेटरी अरविंद कुमार ने तलब किया था। मीडिया से बात करते हुए यश ने टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा पंजाब के किसी भी अपराधी को हिरासत में लिए जाने या रिहा किए जाने के आरोप से इनकार किया। तत्कालीन डीजीपी सुलखान सिंह ने कहा था कि कथित सौदे के बारे में बातचीत के ऑडियो टेप की गहन जांच की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उसे सबूत के तौर पर लिया जाएगा।

तत्कालीन आईजी एटीएस असीम अरुण ने तीन लोगों को किया था गिरफ्तार

तत्कालीन आईजी एटीएस व वर्तमान में भाजपा सरकार के मंत्री असीम अरुण ने सामने आए तथ्यों के आधार पर तीन लोगों को गिरफ्तार कर पंजाब पुलिस को सुपुर्द किया था। इनमें एक व्यक्ति तत्कालीन आईजी इंटेलीजेंस आर के चतुर्वेदी के निकट संबंधी थे, जिनसे भी पूछताछ की गई थी।

साढ़े सात साल बाद आया फैसला

नाभा जेल ब्रेक कांड में अदालत ने असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट सहित 22 आरोपितों को दोषी करार दिया है, जबकि छह आरोपित बरी कर दिए। अदालत सजा पर फैसला गुरुवार को सुनाएगी। 2016 के इस मामले में अदालत ने साढ़े सात साल के बाद 22 आरोपितों को दोषी करार दिया है।

एनआईए पूरे मामले की गहन जांच करे : अमिताभ ठाकुर

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इस मामले में सामने आए तथ्यों और एटीएस द्वारा तीन लोगों को गिरफ्तार कर पंजाब पुलिस को सौंपे जाने से पुलिस पर लगे आरोपों को काफी बल मिलता है, जिसकी कभी भी गहनता से जांच नहीं की गई । अतः उन्होंने एनआईए से इस पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है।

मैप बनाकर हुआ था हमला

पुलिस ने खुलासा किया था कि वारदात का मास्टरमाइंड रोमी है। सभी बदमाश पटियाला के पास मुदकी में इकट्ठे हुए थे। चार गाड़ियों को लूटा गया था। फिर नकली नंबर प्लेट लगाई गईं। ये नंबर प्लेट एक्टिवा और स्कूटी की थीं। जिसके बाद इन लोगों ने वर्दी पहनी। 12 लोग इन गाड़ियों में नकली पुलिसवाले बनकर जेल पहुंचे। वारदात के बाद सभी आरोपी एक साथ कैथल आए थे। फिर वहीं से अलग-अलग हुए। पिंटा लूट के मामले में नाभा जेल में रह चुका था। उसने ही जेल का मैप तैयार किया था। दूसरे बदमाश प्रेमा ने बदमाश इकट्ठा किए थे। बदमाशों को शरण असलम ने दी थी। जो सोनीपत का शूटर था। हथियार मनी नाम के शख्स ने जुटाए थे।

यूपी पुलिसकर्मियों को मिले थे 50 लाख रुपये!

गिरफ्तार गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी घनश्यामपुरिया की सुरक्षित रिहाई के लिए धन की व्यवस्था करने का मामला और भी संदिग्ध हो गया है। पंजाब में कुछ शराब ठेकेदार और जेल के कैदी एक गैंगस्टर की रिहाई के लिए यूपी पुलिसकर्मियों को 50 लाख रुपये का इंतजाम करने के आरोप में जांच के घेरे में हैं। खुफिया शाखाओं से प्राप्त जानकारी से पता चलतौ कि पंजाब में कुछ जेल में बंद कैदियों ने बाहर अपने समकक्षों से संपर्क कर इतनी बड़ी रकम की जरूरत के बारे में विस्तार से बताया और यह भी बताया कि गैंगस्टर अब कैसे लापता है। विवाद में आरोप यह है कि उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने जेल ब्रेक मामले के एक आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी घनश्यामपुरिया को 10 सितंबर को शाहजहांपुर से उठाया था।

यूपी के आईपीएस अफसर का नजदीकी था पिंटू

उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दे दिए थे, वहीं पंजाब के खुफिया विभाग के अधिकारी सुल्तानपुर के संदीप तिवारी उर्फ पिंटू और शराब ठेकेदार रणदीप सिंह उर्फ रिम्पल से पूछताछ की थी। पिंटू से लगातार पूछताछ से पता चला कि उसने हाल ही में उप्र में चुनाव लड़ा था और वह प्रदेश के एक आईपीएस अधिकारी का करीबी रिश्तेदार है, जिसके कारण वह पंजाब में अपराध करने के बाद उत्तर प्रदेश पहुंचने में कामयाब रहे गैंगेस्टरों की मदद करने में सहायक था। इस मामले को संभाल रहे पंजाब के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने कहा था कि कथित तौर पर पिंटू ही डील करवाने की पूरी कोशिश कर रहा था। हालांकि गुरप्रीत की गिरफ्तारी और डील होने के बाद, कोई नहीं जानता कि क्या हुआ। शराब ठेकेदार रिम्पल और पिंटू की गिरफ्तारी के दो दिन बाद, दो अन्य - पीलीभीत के हरजिंदर सिंह और रुद्रपुर के अमनदीप सिंह - को भी गिरफ्तार कर लिया गया। खुफिया अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि अमृतसर सेंट्रल जेल में बंद गैंगस्टर बलजिंदर सिंह उर्फ ढोली का गुरप्रीत से संबंध था। उसने कथित तौर पर पैसे का इंतजाम करने के लिए रिम्पल से संपर्क किया था।

सरकार ने सात महीने बाद भी कोई वादा नहीं किया पूरा : जगन मोहन

चंद्रबाबू नायडू व एनडीए सरकार पर बरसे पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर सत्ता में आने के सात महीने बाद भी कई चुनावी वादों, खासकर सुपर सिक्स को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

सुपर सिक्स योजनाओं में 19 से 59 वर्ष की आयु वर्ग की

प्रत्येक महिला को 1,500 रुपये मासिक पेंशन, युवाओं के लिए 20 लाख नौकरियां या 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी सहायता और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शामिल है। पूर्व मुख्यमंत्री ने तल्लिकी वंदनम योजना को पूरा नहीं करने के लिए नायडू की आलोचना की, जिसमें स्कूल जाने वाले प्रत्येक बच्चे को सालाना 15,000 रुपये देने का वादा किया गया था। एक्स पर एक लंबी पोस्ट में रेड्डी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने लोगों से जो वादे (चुनाव) किए हैं, उनके प्रति यह कैसी लापरवाही है? आपके घोषणापत्र के वादों को पूरा करने में यह कैसी लापरवाही है? उन्होंने कहा कि आपने सत्ता में आने पर प्रति वर्ष प्रति बच्चे को 15,000 रुपये देने का वादा किया था...लेकिन बाद में कैबिनेट (बैठक) में निर्णय लिया गया कि इसे इस वर्ष नहीं बढ़ाया जाएगा। 2024 के चुनावों के लिए, रेड्डी ने याद दिलाया कि टीडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने एक घर के सभी योग्य बच्चों के लिए ताल्लिकी वंदनम योजना सहित बड़े वादे किए थे, लेकिन इसे पूरा करने में विफल रहे।

हाथरस में कोहरे के कारण तीन ट्रक टकराए, तीन लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस। हाथरस जिले के सादाबाद क्षेत्र के मिढ़ावली गांव के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के कारण बुधवार को तीन ट्रकों की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने कहा कि एक ट्रक दूसरे ट्रक को जंजीर से खींच रहा था तभी जंजीर टूट गई। पुलिस ने कहा कि दोनों ट्रकों के चालक जब जंजीर को ठीक कर रहे थे तभी आगरा की तरफ से आ रहे तीसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने कहा कि घटना में मारे गये तीनों ट्रकों के चालकों की पहचान हाथरस के रंजीत, फरीदाबाद के राहुल और आगरा के तरुण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार घटना में दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

एनसीपी (एसपी) के सांसदों को तोड़ने की कोशिश कर रहे अजित पवार : संजय राउत

बोले- केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह देने का प्रलोभन दिया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल लाने वाला दावा किया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि उप-मुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) में फिर से फूट डालने की कोशिश कर रही है।

उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि एनसीपी शरद पवार की

पार्टी के सांसदों को तोड़ने की कोशिश कर रही है और इसके नेताओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह देने का प्रलोभन दिया जा रहा है। राउत का ये बयान एनसीपी नेता अमोल मिटकरी के उस टिप्पणी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के कुछ लोकसभा सदस्य महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार के संपर्क में हैं।

भारत में मिला एचएमपीवी का 9वां केस

गुजरात के अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, पंजाब में मास्क पहनने की सलाह

मुंबई में 6 महीने की बच्ची संक्रमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु/चेन्नई/अहमदाबाद। एचएमपीवी का महाराष्ट्र में बुधवार को तीसरा केस मिला। मुंबई के पवई स्थित हीरानंदानी अस्पताल में 6 महीने की बच्ची संक्रमित मिली है। बच्ची को 1 जनवरी को गंभीर खांसी, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन स्तर 84प्रतिशत तक गिरने के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि वह अब ठीक हो गई। मुंबई में इस वायरस का यह पहला मामला है।

मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है।

हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। देश में कुल मामले 9 हो गए हैं। महाराष्ट्र में दो केस मिलने से एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। केंद्र ने राज्यों को इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और सीवर एक्यूट रेस्परेट्री इश्यूज जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है। 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह नया वायरस नहीं है और सरकार हालात पर नजर रखे हुए है। डरने की बात नहीं है।

वायरस के लक्षण कोविड जैसे, बच्चों पर ज्यादा असर

वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।